RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

दिल्ली सल्तनत



LIVE 13-06-2024 7:00 PM

★ ऐबक को ही गुम्बद कला और मेहराब कला का जनक कहते हैं।
Aibak is called the father of dome art and arch art.

★ ऐबक का दरबारी कवि – हसन निजामी (पुस्तक ताजुल मासिर)
Aibak's Court Poet - Hasan Nizami (Book Tajul Masir)

★ ऐबक का मकबरा – लाहौर (इल्तुतमिश ने बनवाया)
Tomb of Aibak - Lahore (built by Iltutmish)

1210

गोरी → ऐबक → इल्तुतमिश

(2) आरामशाह (1210–1211) → ऐबक का पुत्र → लगभग 8 माह शासन

❖ इसको इल्तुतमिश ने हरा दिया था, (जूड के युद्ध में)
It was defeated by Iltutmish (in the Battle of Jud)

→ ऐबक का गुलाम

(3) इल्तुतमिश (1211–1236)



- इसे गुलाम का गुलाम कहा गया।
  It was called slave of slave.
- उपाधि : अमीर–उल–उमरा
  Title: Ameer-ul-Umrah
- पिता : ईलम खां Father : Ilam Khan
- राजधानी – दिल्ली, Capital - Delhi,
- imp. इल्तुतमिश को दिल्ली में सल्तनत काल का वास्तविक संस्थापक कहा जाता है।
  Iltutmish is said to be the real founder of the Sultanate period in Delhi.

- इल्तुतमिश ने 'इक्ता प्रथा' चलाई (Iqta system)
  Iltutmish started 'Iqta Pratha' (Iqta system)
- तुर्क–ए–चहलगानी (40 सरदार) का गठन किया।
  Turk-e-Chahalgani (40 chieftains) was formed.
- आगरा में न्याय का घंटा लगवाया
  A bell of justice was installed in Agra
- इल्तुतमिश के समय का इतिहास – तारीख–ए–फिरोजशाही में लिखा है। (लेखक–बरनी)
  The history of the time of Iltutmish is written in Tarikh-e-Firozshahi. (Author-Barni)
- खलीफा से खिलअत प्राप्त करने वाला पहला सुल्तान बना।
  Became the first Sultan to receive Khilafat from Khalifa.

४० सरदारों का समूह

→ पहला शासक

1229 ई० ⇐ बगदाद ⇒ खलीफा → वैधानिक पत्र → सुल्तान की उपाधि

❖ तराईन का तृतीय युद्ध – ~~1216~~ यल्दौज को इल्तुतमिश ने हराया।

Third Battle of Tarain - 1215 AD Yaldouz was defeated by Iltutmish.

1216 AD

पहला शासक.

शुद्ध अरबी के सिक्के चलवाये।

→ (मुद्रा) – जीतल + टंका

(Currency) - Jital + Tanka

(ताँबा) (चाँदी)

(copper) (silver)



❖ इल्तुतमिश के समय 1221 में मंगोलो का आक्रमण हुआ (नेतृत्व चंगेजखाँ (तिमूचिन)

Mongol invasion in 1221 under Iltutmish (led by Genghis Khan (Timuchin)

→ मृत्यु = 1227 ई० AD

ऐबक की मृत्यु के समय
इल्तुतमिश बदायूँ का गवर्नर था।

❖ मकबरा शैली का जनक – इल्तुतमिश
Father of Tomb Style - Iltutmish



सुल्तानगढ़ी का मकबरा Tomb of Sultangarhi → दिल्ली

इल्तुतमिश ने बड़े बेटे महमूद की याद में बनवाया।
Iltutmish built it in memory of his elder son Mahmud.

★ टकसाल (mint) का नाम सिक्को पर लिखावाया।
The name of the mint was written on the coins.

★ अतारकिन का दरवाजा – जोधपुर में इल्तुतमिश ने बनवाया।
Atarkin's Gate - Built by Iltutmish in Jodhpur.



★ इल्तुतमिश का दरबारी कवि – मिन्हाज–उस–सिराज (पुस्तक तबकात–ए–नासिरी)

Court poet of Iltutmish - Minhaj-us-Siraj (Book Tabaqat-i-Nasiri)



★ इल्तुतमिश का मकबरा – दिल्ली में – इल्तुतमिश ने ही बनवाया।

The tomb of Iltutmish - in Delhi - was built by Iltutmish himself.

★ 1236 में मृत्यु। Died in 1236.

★ इल्तुतमिश ने कुतुबमीनार को पूर्ण कराया।

Iltutmish completed the Qutub Minar.

कुतुबमीनार ⇒ निर्माण ⇒ शुरू ⇒ ऐबक → कुतुबमीनार की 1 मंजिल

→ 2, 3, 4 मंजिल बनवायी।

फिरोजशाह तुगलक के समय
कुतुबमीनार की चौथी मंजिल (4th floor)
बिजली गिरने का कारण क्षतिग्रस्त हो गयी।
(नष्ट)
⇓
फिरोजशाह तुगलक ने चौथी मंजिल को
पुनर्निर्मित करवाया तथा इसमें रुक और 5 वीं मंजिल बनवायी।
(Renovate)

शीत्यादिकारम → इलांगो → ~~जैन~~ बौद्ध
माणिमैखेले → सलनार → बौद्ध

(4) रुकनुद्दीन फिरोज (1236–1236)

(Ruknuddin Firoz)

माँ–शाह तुर्कान ✓

Mother-Shah Turkan

पिता – इल्तुतमिश

Father- Iltutmish

रुकनुद्दीन अयोग्य और अत्यंत विलासी शासक।



(5) रजिया सुल्तान (1236–1240)

- तुर्की इतिहास की पहली मुस्लिम शासिका।
  The first Muslim ruler in Turkish history.

- इल्तुतमिश की बेटी थी।
  She was the daughter of Iltutmish.



★ रजिया कुलहा और चोगा धारण करती थी

★ Razia used to wear kulha and choga

★ रजिया ने काले गुलाम 'याकूत' को 'अमीर–ए–आखूर नियुक्त किया।

Razia appointed the black slave 'Yakut' as 'Amir-e-Akhur'.

अल्तूनिया के विद्रोह मे मारा गया।

He was killed in the revolt of Altunia.

घोड़े अस्तबल का प्रमुख

39

रजिया

❖ इसके खिलाफ होने वाले विद्रोह

Rebellions against it:- :–

(1) अल्तूनिया का विद्रोह (तबरहिंद, भटिण्डा PB) Punjab

Rebellion of Altunia (Tabarhind, Bhatinda PB)

❖ रजिया की हत्या 13 अक्टूबर 1240 को कैथल में हुई थी।

took place on 13 October 1240 at Kaithal.